




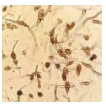
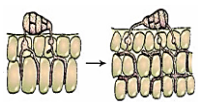






রবি মৌসুমে উৎপাদিত পেঁয়াজ ফসলের রোগের আবহাওয়া পঞ্জিকা (পার্পল রুচ রোগ): চট্টগ্রাম অঞ্চল (জেলা: চট্টগ্রাম, লক্ষ্মীপুর, কক্সবাজার, নোয়াখালী ও ফেনী), বাংলাদেশ

| অঞ্চল : চট্টগ্রাম | | রবি মৌসুমের পেঁয়াজঃ (পার্পল রুচ রোগ) | | | | | | | | | | | সময়কাল : ১০০-১২০ দিন | | | | | |
|----------------------------|--|---|--|--|--|---|------|--|---|--|------|--|---|------|------|------|------|------|
| আবহাওয়া সতর্কতা | মাস | ডিসেম্বর | | | জানুয়ারি | | | ফেব্রুয়ারি | | | | | মার্চ | | | | | |
| | সর্বোচ্চ তাপমাত্রা (°সেঃ) | উষ্ণ তাপমাত্রা, ৩০°সেঃ | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | সর্বনিম্ন তাপমাত্রা (°সেঃ) | ২১°সেঃ | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | সর্বোচ্চ আপেক্ষিক আদ্রতা (%) | উচ্চ আর্দ্রতা ৯০% বা তার বেশি (ভিজা এবং আর্দ্র অবস্থা) | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | সর্বনিম্ন আপেক্ষিক আদ্রতা (%) | ৮০% | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | বৃষ্টিপাত (মিমি) | ফসলের বৃদ্ধি পর্যায়ে মাঝারি থেকে ঘন ঘন ভারী বৃষ্টিপাত এবং ভারী শিশির এর কারণে পাতা দীর্ঘসময় (১২ ঘন্টা বা এর বেশি) ভেজা থাকলে রোগ বিস্তার ঘটে। | | | | | | | | | | | | | | | | |
| সাপ্তাহিক ষাভাবিক আবহাওয়া | প্রধানসপ্তাহ | ৪৯ | ৫০ | ৫১ | ৫২ | ১ | ২ | ৩ | ৪ | ৫ | ৬ | ৭ | ৮ | ৯ | ১০ | ১১ | ১২ | ১৩ |
| | বৃষ্টিপাত (মিমি) | ১.০ | ৪.০ | ২.৩ | ২.০ | ০.৩ | ০.৭ | ০.৭ | ১.৩ | ২.০ | ১.৩ | ২.৩ | ৮.৩ | ৪.৭ | ৫.৩ | ৬.৩ | ১৩.৩ | ২১.৩ |
| | সর্বোচ্চ তাপমাত্রা (°সেঃ) | ২৮.৬ | ২৭.৮ | ২৬.৯ | ২৬.৬ | ২৬.৫ | ২৬.১ | ২৬.৬ | ২৬.৯ | ২৭.৭ | ২৮.৭ | ২৯.৩ | ২৯.৮ | ৩০.৬ | ৩১.২ | ৩২.০ | ৩২.০ | ৩১.৮ |
| | সর্বনিম্ন তাপমাত্রা (°সেঃ) | ১৭.০ | ১৬.৩ | ১৫.৩ | ১৪.৯ | ১৪.১ | ১৩.৯ | ১৪.১ | ১৪.১ | ১৪.৯ | ১৫.৮ | ১৬.৯ | ১৭.৬ | ১৮.৮ | ১৯.৮ | ২০.৭ | ২১.৮ | ২২.৭ |
| | সর্বোচ্চ আপেক্ষিক আদ্রতা (%) | ৯৪.৪ | ৯৪.২ | ৯৪.৪ | ৯৪.১ | ৯৩.৮ | ৯৩.১ | ৯২.৯ | ৯১.৬ | ৯১.০ | ৯০.৬ | ৯০.৪ | ৯১.০ | ৯০.৮ | ৯১.১ | ৯১.৩ | ৯৩.০ | ৯৩.০ |
| | সর্বনিম্ন আপেক্ষিক আদ্রতা (%) | ৪৯.৫ | ৫০.০ | ৫০.৩ | ৪৯.১ | ৪৮.২ | ৪৭.১ | ৪৪.৯ | ৪২.৩ | ৪৩.৬ | ৪১.২ | ৪৩.৩ | ৪৩.৯ | ৪৪.৮ | ৪৬.৬ | ৪৭.৪ | ৫৪.০ | ৫৮.২ |
| | সূর্যালোক ঘন্টা (ঘন্টা) | ৫৪.৮ | ৫২.৮ | ৫০.৮ | ৫১.৩ | ৫৩.৩ | ৫০.৮ | ৫৩.৮ | ৫৬.৫ | ৫৬.৩ | ৫৭.৮ | ৫৭.৫ | ৫৮.৫ | ৬০.৩ | ৫৯.৩ | ৫৬.৮ | ৫৭.০ | ৫২.৮ |
| ধাপ সমূহ |  | | | |  | | | |  | | | |  | | | | | |
| | অঙ্কুরোদগম এবং চারা রোপণ | | | | উদ্ভিদ্ধ বৃদ্ধি | | | | বালু গঠন | | | | ফসল কাটা | | | | | |
| রোগের জীবন চক্র |  | |  |  | |  | |  | |  | |  | | | | | | |
| | পোষক এর সাথে স্পোরের সংযুক্তি | | স্পোর অঙ্কুরোদগম | জীবাণু টিউব গঠন এবং অনুপ্রবেশ | | রোগের বিস্তার | | রোগ সংক্রমণ হওয়ার পর রোগ চক্র ফসলের বালু গঠন এবং বিকাশ পর্যায় পর্যন্ত চলমান থাকে। | | | | | | | | | | |